an>

title: Need to reopen closed sugar mills in Basti parliamentary constituency, Uttar Pradesh.

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी (बस्ती)ः मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती (उत्तर प्रदेश) में गन्ना एक प्रमुख फसल होने के साथ-साथ किसानों के जीवन का आधार है। रहने के लिए मकान, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, बेटियों की शादी से लेकर किसानों के तमाम सपने गन्ने की फसल से मिलने वाले मूल्य पर ही निर्भर होते हैं। किंतु पिछले कुछ सालों से गन्ना किसान मिल मालिकों एवं सरकार की उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं जिससे इनका व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती में कुल चार मिलें थी - बस्ती, वाल्टरगंज, मुण्डेरवा और रुधौली। वर्ष 2002 में किन्हीं कारणों से अचानक मुण्डेरवा चीनी मिल बन्द कर दी गई, जिसके विरोध में किसानों ने आन्दोलन किया। तीन किसान इस आन्दोलन में अपनी जान तक गंवा बैठे, फिर भी मिल चालू नहीं हो सकी। वर्ष 2012 में अपने बड़े दाने के लिए मशहूर बस्ती चीनी मिल को भी बंद कर दिया गया। तब से लेकर अब तक मिल गेट पर किसानों का अनवरत धरना चल रहा है फिर भी स्थिति जस की तस है। बजाज ग्रुप द्वारा संचालित बस्ती चीनी मिल में आर्थिक भ्रष्टाचार व कर्मचारियों के शोषण की व्यापक शिकायतें मिल रही हैं जो सन्देह के घेरे में है। ड

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती (उत्तर प्रदेश) के गन्ना किसानों की दशा पर गंभीरता से विचार करते हुए बंद हो चुकी मिलों को शीघ्र ही चालू कराया जाए। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश में हुए बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों के मुआवजे में मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती सहित पूरे उत्तर प्रदेश में भारी अनियमितता बरती गई है। मैं सरकार से इसकी भी जांच करवाकर मुआवजे का लाभ प्रभावित किसानों को देने का आग्रह करता हूं।